भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा और भारतीय राजस्व सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों और भारतीय रेडियो नियामक सेवा के अधिकारियों से मुलाक़ात के अवसर पर भारत की राष्ट्रपति, माननीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का संबोधन

राष्ट्रपति भवन : 07.12.2022

मुझे भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा और भारतीय रेडियो नियामक सेवा के युवा अधिकारियों और प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाक़ात करके खुशी हो रही है।

सबसे पहले मैं आप सभी को यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने और अपने प्रशिक्षण का एक बड़ा हिस्सा पूरा करने के लिए बधाई देती हूं। मुझे बताया गया है कि आप में से कुछ की पहले ही अधिकारियों के रूप में तैनाती हो चुकी है। मुझे यह भी बताया गया है कि भूटान रॉयल सेवा के दो प्रशिक्षु अधिकारी भी आज यहां मौजूद हैं। मैं दोनों अधिकारियों का स्वागत करती हूं।

प्यारे अधिकारियों,

आप सभी का चयन सर्वोच्च उत्तरदायित्व वाले पदों के लिए किया गया है। शासन प्रणाली को, राष्ट्रीय महत्व की नीतियों को लागू करने और लोगों के भविष्य को सँवारने की आपकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। आपकी सेवाओं में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप निर्णय लेते समय आपका दृष्टिकोण नागरिक-केंद्रित हो और आप अपने लक्ष्यों और कार्यों से अवगत रहें। आपके लक्ष्य और उद्देश्य राष्ट्र के व्यापक लक्ष्यों के सापेक्ष होने चाहिए।

मुझे बताया गया है कि यहां उपस्थित अधिकारी और प्रशिक्षु अधिकारी विविध सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आए हैं। मुझे विश्वास है कि आपने अपने प्रशिक्षण के दौरान एक-दूसरे से बहुत कुछ जानकारी प्राप्त की होगी। आपकी प्रशिक्षण के दौरान आपसी बातचीत जीवंत और ज्ञानवर्धक रही होगी।

भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय डाक सेवा और भारतीय रेल लेखा सेवा के प्रिय प्रशिक्षु अधिकारीगण,

मुझे बताया गया है कि आपका 35 अधिकारियों का समूह हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुरुग्राम में विशेष फाउंडेशन कोर्स कर रहा है। मुझे विश्वास है कि वहां प्राप्त पेशेवर ज्ञान और efficient administration के orientation से आप अपने कर्तव्यों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे।

मुझे बताया गया है कि आप में से अधिकांश विज्ञान और प्रौद्योगिकी पृष्ठभूमि से संबंधित हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि यह तकनीकी युग है इसलिए, प्रशासन और शासन के क्षेत्र में innovation की अपार संभावनाएं हैं। शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, त्वरित, पारदर्शी और people-oriented बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है।

भारतीय राजस्व सेवा के प्रशिक्षु अधिकारीगण,

आप एक ऐसी सेवा में हिस्सा बन रहे हैं जो सरकार के लिए संसाधनों के संग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सरकार को अपने कार्यक्रमों और परियोजनाओं को चलाने के लिए इन संसाधनों की आवश्यकता होती है और उनका उपयोग करती है और जिससे देश की प्रगति और विकास होता है।

मुझे बताया गया है कि भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 75वें बैच में भूटान रॉयल सर्विस के दो प्रशिक्षु अधिकारी सहित 49 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आपका बैच 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करता है। इस बैच के प्रशिक्षु अधिकारी इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, वाणिज्य और विधि जैसे विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि से हैं। मुझे बताया गया है कि एक तिहाई प्रशिक्षु अधिकारी ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। ग्रामीण भारत का आपका अनुभव और ज्ञान, आपको अपने कार्य करने के तरीके को और अधिक समावेशी बनाएगा।

आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपकी दोहरी भूमिका, करदाताओं द्वारा कर कानूनों के अनुपालन को सुगम बनाना है और साथ ही कर चोरी को रोकने के लिए समग्र विश्वसनीय रोकथाम तंत्र में योगदान देना है। करदाताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार स्थापित किया जाना चाहिए और सिस्टम को इसका आगे बढ़कर अनुपालन करना चाहिए। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने दायित्वों का निर्वाह पूरी लगन और निष्ठा से करेंगे। भारत सरकार की फेसलेस असेसमेंट स्कीम का उद्देश्य शासन में अधिक पारदर्शिता लाना है। मेरी सलाह है की स्वयं युवा प्रशिक्षु अधिकारियों को भी नए फेसलेस वातावरण की जानकारी रखनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि आप आने वाले दशकों में अपना कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल अर्जित करने और विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

भारतीय रेडियो नियामक सेवा के अधिकारीगण**,**

भारतीय रेडियो नियामक सेवा के कार्य बहुत महत्वपूर्ण हैं और हाल के वर्षों में इसका और अधिक महत्व हो गया है। स्पेक्ट्रम लाइसेंस का आबंटन, स्पेक्ट्रम की नीलामी करना और आवश्यक मंजूरी प्रदान करना आपकी कुछ प्रमुख जिम्मेदारियां हैं। आज के डिजिटल युग में, दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार करने और डेटा सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्पेक्ट्रम तक पर्याप्त पहुंच होना आवश्यक है। मोबाइल फोन अब हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। आज व्यक्तिगत और व्यावसायिक communication मोबाइल फोन के माध्यम से किया जाता है। भारत ने, पांचवीं पीढ़ी की मोबाइल फोन तकनीक, 5G पहले ही लागू कर ली है। यह बेतार संचार, कुशल स्पेक्ट्रम प्रबंधन से ही संभव हुआ है। मुझे यकीन है कि आप अपना काम पूरी निष्ठा के साथ करेंगे और संगत नीतियां बनाने और लागू करने के लिए नए विचार और तकनीक अपनाएँगे।

प्रिय अधिकारीगण,

मैंने देखा है कि हाल के वर्षों में इन सेवाओं में महिला अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। लेकिन मैं कहना चाहूंगी कि यही पर्याप्त नहीं है, मैं चाहती हूं कि आने वाले वर्षों में ऐसी सभी सेवाओं में महिला अधिकारियों की संख्या ज्यादा हो।

अंत में, मैं यह बताना चाहूंगी कि जनता के हर वर्ग का, गरीब से गरीब व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। चूंकि सार्वजनिक नीति से सामाजिक न्याय प्रदान किया जा सकता है, इसलिए लोक सेवक सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं। आपने लोकसेवा को अपना करियर चुना है; इसलिए हमेशा याद रखें कि आपको देश की सेवा करनी है।

मैं, आज यहां उपस्थित विभिन्न सेवाओं के सभी अधिकारियों और प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य और सफल करियर के लिए फिर अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय भारत!